सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 30 DECEMBER TO 05 JANUARY 2022 • VOLUME-24 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

" जिसे हारने से डर लगता है वह पूरी जिंदगी डरता ही रहता है। "

मास्क जरूरी,
नहीं कोई मजबूरी

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

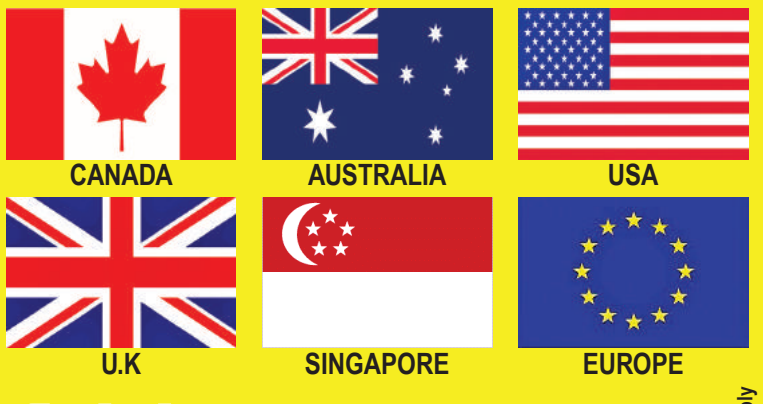

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

अब छात्रों को भी मिलेगी मुफ्त बस यात्रा की सुविधा

* सीएम चन्नी ने खुद चलाकर 58 नई बसों को किया रवाना, *पहली दफा एक बार में 842 बसों को परिवहन बेड़े में किया शामिल

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आज 400 करोड़ रुपए की लागत से राज्य के परिवहन बेड़े में पहली दफा एक ही समय पर शामिल की जा रही कुल 842 आधुनिक बसों के हिस्से के रूप में 58 नई बसों को परिवहन बेड़े में शामिल किया और स्वयं बस चलाकर इन नई बसों के का$फिले को यहाँ अपने सरकारी निवास से रवाना किया।

पी.आर.टी.सी. के लिए 30 बसों और पनबस के लिए 28 बसों के पहले परिवहन बेड़े को शामिल करते हुए मुख्यमंत्री चन्नी ने राज्य के लोगों ख़ासकर महिलाओं और विद्यार्थियों को बधाई दी, जो अब नई बसों में मुफ्त यात्रा का आनंद ले सकते हैं। उन्होंने सरकारी और निजी कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए मुफ्त बस के पास की सुविधा का ऐलान भी किया। आम लोगों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री चन्नी ने कहा कि 400 करोड़ रुपए की लागत से 105 बस टर्मिनलों का निर्माण और नवीनीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 1406 नए बस पर्मिट जारी करने के अलावा राज्य में 425 नए बस रूट जोड़े जाएंगे।

परिवहन मंत्री अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग द्वारा पिछले तीन महीनों में किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री चन्नी ने कहा कि आज इस समय में नियमों के विरुद्ध चल रहे बस चालकों और टैक्स चोरी करने वालों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई के नतीजे के रूप में परिवहन विभाग फिर से अपने पैरों पर खड़ा हुआ है।

मुख्यमंत्री चन्नी, जिनके साथ परिवहन मंत्री अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग भी उपस्थित थे, ने कहा कि राज्य के परिवहन माफिया के द्वारा चलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के नतीजे के रूप में विभाग के राजस्व में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि किसी को भी यात्रियों के साथ बेइन्सा$फी करने की आज्ञा नहीं दी जाएगी और उनकी सरकार द्वारा एक पारदर्शी, कुशल और प्रभावशाली परिवहन व्यवस्था पहले ही लागू की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री द्वारा तुरंत कार्यवाही के लिए धन्यवाद करते हुए परिवहन मंत्री अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पिछले तीन महीनों के दौरान विभाग की रोज़ाना की आमदन में 1.50 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है और कहा कि हम जल्द ही इस आंकड़े को रोज़ाना 2 करोड़ रुपए तक ले जाएंगे। वड़िंग ने इस महत्वपूर्ण अवसर को लोगों की सेवा में लगाने के लिए अपने विभाग के आधिकारियों और स्टाफ का धन्यवाद किया।

पनबस की 28 बसों में से मुक्तसर साहिब डीपू को 13, रूपनगर डीपू को 12 और पठानकोट को 3 नई बसें मिलेंगी। इसी तरह पी.आर.टी.सी. की 30 बसों में से बठिंडा और पटियाला डिपूओं को 10-10 जबकि फरीदकोट और बरनाला को 5-5 बसें मिलेंगी। नए वाहन बी.एस.-6 सिस्टम से लैस हैं और अन्यों में एस.सी.आर. तकनीक है, जो प्रदूषण के उत्सर्जन को लगभग नाममात्र तक घटा देती है।

'आप' की सिद्धू को चुनौती; पंजाब पुलिस का सम्मान नहीं कर सकते तो छोड़ दें सुरक्षा कवच

चंडीगढ़. आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब मामलों के सह-प्रभारी और दिल्ली से विधायक राघव चड्ढा ने बुधवार को यहां पार्टी हेडक्वार्टर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की ओर से एक प्रोग्राम में पंजाब पुलिस के अधिकारीयों पर की गई टिपणी को शर्मनाक हरकत करार दिया है। इस मौके पर आम आदमी पार्टी पंजाब के प्रवक्ता नील गर्ग, जगतार सिंह संघेड़ा और सतीश सैनी भी मौजूद थे।

राघव चड्ढा ने कहा कि नवजोत सिद्धू की ओर से पंजाब पुलिस के अधिकारीयों को लेकर एक सर्वजनिक प्रोग्राम में 'पतलून गीली' कर देने वाला बयान माफ़ी के काबिल नहीं है। उन्होंने कहा की आम आदमी पार्टी कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के इस गैर ज़िम्मेदारना और बचकानी हरकत वाले बयान की सख्त शब्दों में निंदा करती है। उन्होंने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू बौखला गए है। इस बौखलाहट में सिद्धू इस तरह के उलटे सीधे बयान दे कर पंजाब पुलिस के अधिकारीयों को अपमानित कर रहे है।

राघव चड्ढा ने कहा कि पंजाब पुलिस के अफसरों के परिवार वाले सिद्धू के बयान से

अपने आप को अपमानित महसूस कर रहे है। यह वहीं ऑफिसर है जो उनकी सुरक्षा के लिए दिन रात ड्यूटी पर तैनात रहते है। उन्होंने नवजोत सिंह सिद्धू को चेतावनी दी कि अगर उनकी पंजाब पुलिस के अफसरों को लेकर ऐसी सोच है तो वह पंजब पुलिस कि सुरक्षा को वापिस कर दे। वह केवल एक दिन बिना सुरक्षा के घूम कर दिखाए, कोई उनको सलाम तक नहीं ठोकेगा।

पंजाब की राजनीति में शून्य साबित होगा कैप्टन, बीजेपी और ढींडसा का गठजोड़

चंडीगढ़. आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के अध्यक्ष और सांसद भगवंत मान ने पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, शिअद (यूनाइटेड) के अध्यक्ष सुखदेव सिंह ढींडसा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन को राजनीतिक अवसरवाद बताते हुए कहा कि जनता की अदालत इन अवसरवादियों को सबक सिखाएगी। मान ने कहा कि यह गठबंधन पंजाब की राजनीति में जीरो सबित होगा। भाजपा पंजाब में शून्य है और शून्य में कितना भी शून्य जोड़ दिया जाए, नतीजा शून्य ही रहेगा। बुधवार को पार्टी मुख्यालय से जारी एक बयान में मान ने पवित्र गीता के उपदेशों का हवाला देते हुए कहा, 'जो हो रहा है अच्छा हो रहा है, और जो होगा, वह अच्छा ही होगा क्योंकि पंजाब के लोग अवसरवादी और स्वार्थी नेताओं के दिन-प्रतिदिन उतरते मुखौटों को करीब से देख रहे हैं। मान ने बीजेपी, कैप्टन और ढींडसा गुट पर तंज कसते हुए कहा, ''अब जब उनका पुराना नापाक गठबंधन सामने आ गया है, तो बादल वाला शून्य को भी अपने शून्य में जोड़ लें, लेकिन नतीजा फिर भी शून्य ही होगा।'

पीएम देंगे किसानों को सौगात

नए साल पर 10 करोड़ खातों में 20,000 करोड़ रुपये करेंगे ट्रांसफर

नई दिल्ली. नए साल पर किसानों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़ी सौगात देने वाले हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत वे किसानों

को योजना की दसवीं किश्त की राशि जारी करेंगे। एक जनवरी 2022 को 10 करोड़ किसान परिवारों के बैंक खाते में 20,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर प्रधानमंत्री करेंगे। आपको बता दें पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब तक किसानों के बैंक खाते में 1.6 लाख करोड़ रुपये ट्रांसफर किया जा चुका है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी किये प्रेस रिलिज में बताया गया कि एक जनवरी 2022 को दोपहर 12.30 बजे वीडियो कॉंफ्रेंसिंग के ज़रिए प्रधानमंत्री किसानों के बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करेंगे।

सोनी द्वारा कोरोना की संभावित तीसरी लहर के मद्देनजऱ टेस्टिंग व टीकाकरण में तेज़ी लाने के आदेश

चंडीगढ़. पंजाब के उप मुख्यमंत्री ओम प्रकाश सोनी ने आज कोरोना की संभावित तीसरी लहर के मद्देनजऱ राज्य में टेस्टिंग और टीकाकरण में और तेज़ी लाने के आदेश दिए हैं। आज यहाँ राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री सोनी ने मौजूदा समय में कोरोना के मामलों की स्थिति का जायज़ा लिया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा समय में राज्य में कोरोना सम्बन्धी टेस्टिंग के पॉज़िटिव मामले 0.3 प्रतिशत हैं, जिसमें बीते कुछ दिनों के दौरान वृद्धि हुई है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में अब तक सिफऱ 1 ओमीक्रोन का मामला सामने आया था, जोकि बिना लक्षणों वाला था और 13 दिन बाद टेस्ट करने पर नेगेटिव पाया गया

है। विभाग के प्रमुख सचिव श्री राज कमल चौधरी ने बताया कि विभाग द्वारा कोरोना की संभावित तीसरी लहर के मद्देनजऱ पंजाब सरकार द्वारा 'हर घर दस्तक' मुहिम के अंतर्गत 12,05,069 घरों का दौरा किया जा चुका है। इसके अलावा राज्य में इस समय 84 प्रतिशत को पहली डोज़ और 44 प्रतिशत लोगों को दूसरी डोज़ लग चुकी है।

उन्होंने बताया कि संभावित लहर के मद्देनजऱ एल 1 और एल 2 श्रेणी के 7840 बिस्तर और एल 3 श्रेणी के 977 बिस्तर तैयार किए गए हैं। इसके अलावा 70 के करीब स्वास्थ्य संस्थाओं में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित कर दिए गए हैं, जिनकी टेस्टिंग भी सफलतापूर्वक कर ली गई है।

जालंधर-कपूरथला मार्ग एनएच 703ए पुली के निर्माण के दौरान बेरिकेटिंग ना करना दे सकता है किसी बड़े हादसे को न्यौता

(1) जालंधर ब्रीज द्वारा प्रकाशित खबर के बाद पहले बनाई गई थी पुली की दीवारें और अब लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा पुली को चौड़ा करने का कार्य। लेकिन काम के दौरान विभाग द्वारा सड़क पर सुरक्षा के मद्देजर नहीं की गई है कोई बेरिकेटिंग।

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

जालंधर शहर से कपूरथला जाने के लिए एन एच 703 ए पर लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका मुख्य कारण कपूरथला रोड के ऊपर स्मार्ट सिटी के अंतर्गत स्टॉर्म वाटर सीवेरज प्रोजेक्ट के चलते निर्माण कार्य कर रही कंपनी ने दोनों तरफ की सड़कों को खोदा हुआ है।

वहीं पिछले काफी समय से इसी मार्ग पर वरियाणा के पास पड़ती पुली छोटी होने के कारण दुर्घटना के लिए मुख्य कारण बनी हुई थी।

जालंधर ब्रीज ने इस परेशानी को गंभीरता से लेते हुए इसे अपने समचार में प्रकाशित कर प्रशासन को ध्यान दिलाया था जिस पर लोक निर्माण विभाग की सेंट्रल वर्क डिवीज़न द्वारा काफी देर से इस मार्ग पर ब्लैक स्पॉट बनी इस पुली को चौड़ा करने का काम शुरू किया गया है जिससे आने वाले दिनों में वाहन चालक इस पुली पर दुर्घटनाग्रस्त होने से बचेंगे।

लेकिन दूसरी तरफ इस पुली का निर्माण कार्य कर रही कंपनी द्वारा लोगों की सड़क सुरक्षा के लिए आसपास किसी भी तरह की बैरिकेडिंग नहीं की गई है।

जिक्रयोग्य है सर्दी के मौसम में जहां वाहन चालकों को गाड़ी चलाने वक़्त हमेशा ओस का सामना करना पड़ता है। वहीं इस पुली के आस-पास नाला होने की वजह से हमेशा धुंध का सामना भी करना पड़ेगा और निर्माण कार्य वाली जगह पर किसी तरह की सुरक्षा न होने के कारण वहां लोगों को हादसे का शिकार भी होना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि कुछ महीने पहले इस पुली के ऊपर बजरी से भरा ओवरलोडेड ट्रक के पलटने से पुली की दोनों साइड क्षतिग्रस्त हो गई थी और आए दिन राहगीर वहां नाले में गिरकर चोटिल हो रहे थे। इस परेशानी की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम के जॉइंट कमिश्नर अमित सरीन द्वारा इस पुली की दोनों साइड टूटी हुई दीवारों का निर्माण करवाया गया था। अब आने वाले दिनों में पता चलेगा कि लोक निर्माण विभाग सेंट्रल वर्क डिवीज़न के अधिकारी लोगों को सड़क सुरक्षा देने के लिए निर्माण कार्य कर रही कंपनी से चल रहे कार्य के आस-पास बेरिकेटिंग करवाते है या हमेशा की तरह प्रशासन किसी हादसे के होने के बाद खानापूर्ति करने के लिए हरकत में आएगा।

जालंधर-कपूरथला मार्ग पर नगर निगम की हद में पड़ती पुली राहगीरों के लिए बनी मौत का कुंआ

• जालंधर ब्रीज,विशेष रिपोर्टर

नगर निगम विभाग जालंधर

कुछ कार्य ऐसे होते हैं जो सीधे तौर पर जिंदगी और मौत से जुड़े होते हैं...ऐसे में संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता तय करनी होगी... आखिर कबतक लोगों की जान यूं ही जाती रहेगी?

• क्षतिग्रस्त पुली पर से वाहनों को भी गुजरने में होती है दिक्कत।

पिछले अंक में प्रकाशित खबर की कटिंग

तनाव दूर करने से लेकर हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल तक रामबाण औषधि है सर्पगंधा, जानें इसके स्वास्थ्य लाभ

हेल्थ टिप्स

आयुर्वेद में सर्पगंधा का काफी महत्व है। सर्पगंधा को कई बीमारियों के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आइए जानें इसके स्वास्थ्य लाभ।

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

सर्पगंधा इसे भारतीय स्नैकरूट भी कहा जाता है। ये पौधा बहुत ही स्वास्थ्यवर्धक है। आयुर्वेद में इस पौधे का बहुत महत्व है। आयुर्वेद में पौधे की जड़ों का इस्तेमाल विभिन्न रोगों के इलाज के लिए किया जाता है।

भारतीय स्नैकरूट पर छोटे गुलाबी और सफेद फूल आते हैं। ये पौधा कई स्वास्थ्य समस्याओं का दूर करने में मदद करता है। आइए जानें इसके स्वास्थ्य लाभ।

आयुर्वेद के अनुसार इस पौधे के स्वास्थ्य लाभ

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है | क्या आप जानते हैं, भारतीय स्नैकरूट का व्यापक रूप से ब्लड प्रेशर की दवाओं की तैयारी में इस्तेमाल किया जाता है? ऐसा इसलिए है क्योंकि पौधे में रेस्परपाइन नामक एक रासायनिक तत्व होता है। ये हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

तनाव और चिंता को दूर करता है | भारतीय स्नैकरूट पौधे की जड़ को चबाने से मन को शांत करने, तनाव और चिंता को कम करने में मदद मिलती है। इसका सेवन अनिद्रा के इलाज में भी बहुत मददगार होता है।

पेट संबंधित समस्याओं को दूर करता है | ये मासिक धर्म की समस्याओं के इलाज में भी उपयोगी है। ये पेट को साफ करने में मदद करता है और इसके सामान्य कामकाज को बढ़ावा देता है। इसका सेवन करने से कब्ज, डायरिया जैसी सामान्य समस्याओं का इलाज होता है।

त्वचा की समस्याओं का इलाज करता है | आयुर्वेद में इस पौधे का इस्तेमा त्वचा की समस्याओं जैसे मुंहासे, फोड़े, एक्जिमा आदि के इलाज के लिए भी किया जाता है। सर्पगंधा में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होते हैं। ये त्वचा के संक्रमण को दूर करने में मदद करते हैं।

अस्थमा का इलाज करता है | ऐसा माना जाता है कि भारतीय सनेरूट से तैयार रस या सूखी जड़ों से बने चूर्ण का सेवन करने से अस्थमा का इलाज किया जाता है।

हृदय के लिए | कई हृदय विकारों के इलाज के लिए पौधे का इस्तेमाल एक सामान्य उपाय के रूप में किया जाता है। आज के समय में अनहेल्दी खान-पान और जीवनशैली की वजह से हृदय की बीमारियां होना आम बात है। पौधे को हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए भी जाता है। इस प्रकार ये हृदय संबंधी समस्याओं को रोकता है।

आपको सोने में मदद करता है | अनिद्रा एक नींद विकार है जिसमें व्यक्ति सो नहीं पाता है। ये आमतौर पर सुस्ती, थकान जैसे लक्षणों के साथ होता है। भारतीय स्नैकरूट के सेवन से अनिद्रा की समस्या से राहत मिल सकती है।

मासिक धर्म | बहुत सी महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान पेट दर्द और थकान जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है। इस पौधे में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। ये पौधा मासिक धर्म में ऐंठन और सूजन के इलाज में प्रभावी है। सर्पगंधा का पौधा पाउडर, टैबलेट और कैप्सूल के रूप में आसानी से उपलब्ध होता है। हालांकि, इसका सेवन केवल अपने डॉक्टर से सलाह करने के बाद ही किया जाना चाहिए, खासकर अगर आपका एक मेडिकल ट्रीटमेंट चल रहा है।

छींक आने पर लोग क्यों कहते हैं, 'ब्लेस यू', इसका बुरी आत्माओं और कभी रोम में फैली प्लेग बीमारी से क्या कनेक्शन है

छींक आना एक सामान्य सी प्रक्रिया है, लेकिन फिर भी छींकने के बाद इंसान जब सॉरी कहता है तो दूसरा शख्स उसे 'ब्लेस यू' या 'गॉड ब्लेस यू' कहता है। इसके कई कारण रहे हैं। छींक को लेकर किस तरह की मान्यताएं रही हैं और विज्ञान से इसका कितना सम्बंध है, जानिए इन सवालों के जवाब...

छींक को लेकर किस तरह की मान्यताएं रही हैं और विज्ञान से इसका क्या कनेक्शन है, जानिए इन सवालों के जवाब...

रोम में फैली बीमारी ब्यूबॉनिक प्लेग से कनेक्शन

कहा जाता है कि छींक के बाद सामने वाले शख्स के 'ब्लेस यू' या 'गॉड ब्लेस यू' कहने की शुरुआत रोम से हुई। मान्यता है कि जब रोम में ब्यूबॉनिक प्लेग की शुरुआत हुई तब ही से लोगों ने यह कहना शुरू किया। प्लेग का एक लक्षण खांसी और छींक आना भी था। प्लेग से पीड़ित लोग जब खांसते या छींकते थे तो लोग 'गॉड ब्लेस यू' कहकर उनके जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करते थे। उनका मानना था कि ऐसा कहने से मौत का खतरा टल सकता है।

इसके अलावा एक मान्यता यह भी है कि इंसान के आसपास मौजूद हवा और सिर में आत्मा का वास होता है। जब इंसान छींकता है तो नाक के जरिए इंसान के अंदर से बुरी आत्मा बाहर आ सकती है, जो आसपास के लोगों पर बुरा असर डाल सकती है और उनमें प्रवेश कर सकती है। इसलिए लोग 'गॉड ब्लेस यू' कहते थे। उनका मानना था कि ऐसा कहने आत्माओं को रोका जा सकता है। इसलिए छींकने वाले व्यक्ति और उसके आसपास के अन्य लोगों की रक्षा करने के लिए आशीर्वाद दिया जाता था।

अब जानिए, छींक का हार्ट से क्या कनेक्शन है?

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के प्रेसिडेंट डॉ. रिचर्ड कॉन्टी कहते हैं, छींक की शुरुआत होने पर नर्व में सनसनी होती है और इससे दिमाग तक यह संदेश जाता है कि नाक में कुछ ऐसा है जो परेशान कर रहा है। नतीजा, दिमाग एक्टिव हो जाता है। इंसान गहरी सांस लेता है और उसे रोकता है। सीने की मांसपेशियां तन जाती हैं। ऐसा होने पर फेफड़े में हवा का दबाव बढ़ता, आंखें बंद हो जाती हैं और इंसान अचानक से सांस को नाक के जरिए बाहर छोड़ता है। डॉ. रिचर्ड कहते हैं, छींक से तुरंत पहले जो सीने पर दबाव बनता है उसका असर ब्लड सर्कुलेशन पर पड़ता है। इससे दिल की धड़कन पर असर पड़ सकता है।

लोग ऐसा मानते हैं कि इस दौरान दबाव बढ़ने से हार्ट कुछ सेकंड के लिए काम करना बंद कर सकता है। इसलिए लोग गॉड ब्लेस यू कहकर भगवान से छींकने वाले के लिए ऐसे शब्दों का चयन करते हैं। हालांकि दिल के काम करना बंद करने वाली बात सच नहीं है।

इसलिए अगली बार छींकें और सामने वाला इंसान आपको गॉड ब्लेस यू कहे तो समझ जाएं कि वो आपको एक तरह से आशीर्वाद ही दे रहा है।

मकड़ी अपने जाल में क्यों नहीं फंसती... उनके पास भला ऐसा कौन-सा रॉकेट साइंस होता है?

हर मकड़ी अपनी सुविधानुसार अलग-अलग पैटर्न में जाले बुनती है। यानी दूसरी मकड़ी को उसका पैटर्न पता नहीं होगा कि कहां उसने सामान्य रेशे का इस्तेमाल किया है और कहां उसने चिपचिपे रेशे का इस्तेमाल किया है।

मकड़ियों को तो आपने देखा ही होगा! मकड़ी खुद के रहने के लिए और कीट-पतंगों को अपना शिकार बनाने के लिए जाल बुनती है। इस जाल में मक्खी, मच्छर और अन्य कीड़े फंस जाते हैं, जिन्हें मकड़ियां अपना भोजन बनाती हैं। हर मकड़ी अलग-अलग पैटर्न में अपने जाले बुनती है। खास बात ये है कि जिस जाल में अन्य कीट फंस जाते हैं, उस जाल में मकड़ी खुद कभी नहीं फंसती। क्या आप जानते हैं इसकी वजह क्या है?

सबसे पहले मकड़ी के जाल के बारे में यह फैक्ट जान लीजिए कि मकड़ी दो तरह के रेशे से अपना जाल बुनती है। पहला साधारण रेशे से और दूसरा चिपचिपा रेशे से। साधारण रेशे पर कोई भी कीड़ा नहीं चिपकता और वह आसानी से चल सकता है, जबकि चिपचिपे रेशे पर कीड़े चिपक जाते हैं और जाल में फंस जाते हैं। मकड़ी के जाले में उलझ कर कीड़े उसका आसान शिकार बन जाते हैं।

अब सवाल ये उठता है कि आखिर मकड़ी अपने ही जाल में क्यों नहीं फंसती! इसके पीछे की वजह है मकड़ी के पैरो की बनावट। दरअसल, मकड़ी के सभी पैरो के नीचे दो ऊंगलीनुमा आकृति बनी होती है, जो उसे चिपचिपे रेशे से बचाती है। गौर करने वाली बात यह है कि मकड़ी भी अपने चिपचिपे रेशे पर पूरे अच्छे तरीके से नहीं चल सकती। उसे भी अपने चिपचिपे रेशे को पार करने के लिए अपनी उसी ऊंगलीनुमा बनावट का इस्तेमाल करते हुए लटकते हुए जाना पड़ता है।

यदि कोई मकड़ी अपने रेशेनुमा जाल पर पूरे तरीके से अपने पैर रख दे तो वह अपने जाल में फंस सकती है। ऐसा कोई रॉकेट साइंस उसके पास भी नहीं है कि चिपचिपे रेशे पर नॉर्मली चलते हुए वह न फंसे। लेकिन उसके पैर रखने का तरीका खास होता है, इसलिए वह उस जाल में नहीं फंसती है। आगे एक और दिलचस्प बात जान लीजिए।

जैसा कि आपने ऊपर पढ़ा कि हर मकड़ी अपनी सुविधानुसार अलग-अलग पैटर्न में जाले बुनती है। यानी दूसरी मकड़ी को उसका पैटर्न पता नहीं होगा कि कहां उसने सामान्य रेशे का इस्तेमाल किया है और कहां उसने चिपचिपे रेशे का इस्तेमाल किया है। और ऐसे में अगर दूसरी मकड़ी भी उसके जाल में आएगी तो पैटर्न पता नहीं होने के कारण वह फंस जाएगी।

ये हैं दुनिया के सबसे शांत देश, जहां आप पार्टनर के साथ बेफिक्र होकर घूम सकते हैं...

डेनमार्क देश उत्तरी यूरोप में स्थित है। आप यहां काफी ज्यादा सुरक्षित महसूस कर पाएंगे। सुरक्षित देशों की लिस्ट मेंसाल 2021 में यह देश तीसरे नंबर पर पहुंच गया।यह देश घूमने के लिए काफी ज्यादा खूबसूरत है।

आइसलैंड शांत देशों की सूची में आता है। ये देश घूमने के लिए जितना खूबसूरत है, उतना ही यहां लोग खुद को बेहद सुरक्षित और तनावमुक्त महसूस करते हैं।यहां बेहतर नौकरी के मौके, रोजगार और अच्छी जीवनशैली जैसी लोगों के पास है।

न्यूजीलैंड देश एक आयरलैंड देश है, जो प्रशांत महासागर के बीच में बसा हुआ है। कम जनसंख्या के कारण यहां शांति रहती है, और यहां विवादित मुद्दे कम होते हैं। आप पार्टनर के साथ किसी शांत देश में जाना चाहते हैं, तो ये बेस्ट ऑप्शन है। इस देश में कई खूबसूरत समुद्र भी देखने को मिलते हैं, जो इस देश की खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

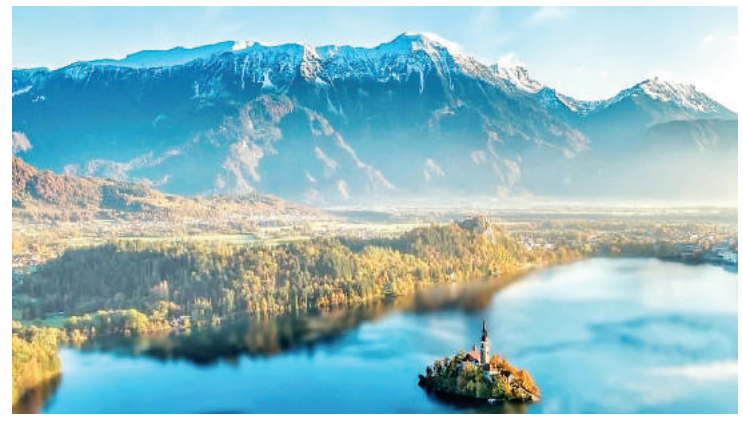

स्लोवेनिया भी यूरोप का हिस्सा है। यह देश भी बाकी देशों की तरह बेहद कम जनसंख्या वाला देश है, जिस कारण यहां भी लोगों का जीवन बड़ी शांति से गुजर रहा है। ये देश लोगों की नजर में कम रहता है, क्योंकि यहां विवाद कम होते हैं।

नालेज कॉलम

जूतों के पीछे लगे फीते का क्या होता है काम? ये रहा जवाब

आपके जूते के पीछे भी एक अलग से लूप लगा होगा। लेकिन, कभी आपने सोचा है कि आखिर इसका सही इस्तेमाल क्या हो सकता है और किन-किन तरीकों से इसका यूज किया जा सकता है।

आपने देखा होगा कि कई जूतों के पीछे एक फीता लगा होता है यानी एक लूप होता है। उम्मीद है कि आपके जूतों में भी होगा। लेकिन, कभी आपने इसका इस्तेमाल किया है? शायद ही आपने ऐसा किया होगा। लेकिन, कभी आपने सोचा है कि आखिर ये क्यों होता है और इसका क्या काम होता है। ऐसे में आज जानते हैं कि इसका क्या इस्तेमाल होता है और इसका किन-किन तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है।

जूते के पीछे जो ये फीता लगा होता है, उसे **पूल लूप** कहते हैं। कहा जाता है कि 19वीं शताब्दी में अमेरिका में इसे काम में लेना शुरू किया गया था और अब यह फैशन भी बन गया है।

वैसे तो इसका इस्तेमाल जीते पहनने के लिए किया जाता है। इसके जरिए आप आसान से जूते पहन सकते हैं और आपने देखा होगा कि बूट्स में यह ज्यादा इस्तेमाल होता है। जब आप जूते में पांव डालते हैं तो इसके जरिए जूते को अच्छे से एडजस्ट कर सकते हैं, इसलिए इसका इस्तेमाल किया जाता है।

अब इसका कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है और लोग अपनी जरूरत के हिसाब से इसका उपयोग करते हैं। कई लोग इसे जूते को टाइट बांधने के लिए करते हैं। इस स्थिति में शू लेस को पीछे से लाकर आगे बांधा जाता है ताकि लेस लंबी हो तो कोई दिक्कत ना हो। अक्सर ट्रेकिंग के समय इसका यूज ज्यादा होता है।

इसके अलावा लोग इसे टांगने में इस्तेमाल करते हैं। जैसे आप कहीं जा रहे हैं और आपके बैग में जगह नहीं है तो लोग इसके जरिए जूते बैग के बांध लेते हैं। कई बार पहाड़ों पर चढ़ने वाले लोग इस ट्रिक का इस्तेमाल करते हैं।

विज्ञान : शहद खराब क्यों नहीं होता और मधुमक्खियां इसे कैसे बनाती हैं

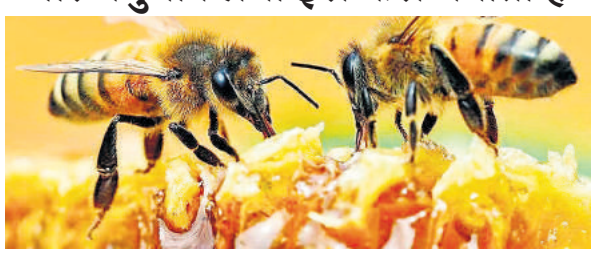

असली शहद सालों-साल तक खराब नहीं होता। कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है? विज्ञान कहता है कि इसे पीछे शहद में ऐसे तत्वों का होना जो इसे खास बनाते हैं। इसे जानने के लिए पहले यह समझना जरूरी है कि शहद आखिर बनता कैसे है कि इसमें इतनी खासियतें शामिल होती हैं। जानिए, इसका पूरा विज्ञान...

शहद को इकट्ठा करने के लिए मधुमक्खी फूलों का रस चूसती है। इस रस में कई तरह के शुगर, प्रोटींस और दूसरे केमिकल होते हैं। इसमें कुछ हिस्सा पानी का भी होता है। इसमें खासतौर पर सुक्रोज शुगर होती है जो घर पर मौजूद शक्कर की तरह ही होती है। मधुमक्खी फूलों का रस चूसकर शरीर में इकट्ठा करती है। इसके बाद इनके शरीर में मौजूद ग्रंथि से एंजाइम निकलकर इस रस में मिल जाता है।

फूलों का रस और एंजाइम मिलने के बाद यह शहद में तब्दील हो जाता है। एंजाइम मिलने के बाद सुक्रोज ग्लूकोज और फ्रक्टोज में टूट जाता है। यही शहद छत्ते में इकट्ठा होता है। विज्ञान कहता है, शहद में बहुत कम मात्रा में पानी होता है। इसलिए यह पानी को खींचता है। जब भी इसमें कोई बैक्टीरिया पहुंचता है तो प्राकृतिक तौर पर शहद उसका सारा पानी खींच लेता है, इसलिए शहद खराब नहीं होता और बैक्टीरिया डेड हो जाता है।

हेल्थलाइन की रिसर्च रिपोर्ट कहती है, मधुमक्खियों के शरीर से खास तरह का एंजाइम ग्लूकोज ऑक्सीडेज निकलता है जो शहद में मिल जाता है। यह एंजाइम शहद में बैक्टीरिया को पनपने से रोकने में मदद करता है। जैसे-जैसे शहद पूरी तरह से तैयार होता है, इसमें हाइड्रोजन परॉक्साइड केमिकल बनता है यह भी इसमें बैक्टीरिया को पहुंचने से रोकता है।

एक सवाल उठता है कि क्या सभी तरह के शहद की क्वालिटी एक जैसी होती है? विज्ञान कहता है, शहद की क्वालिटी कई चीजों पर निर्भर होती है। जैसे- मधुमक्खी की प्रजाति, जिस फूल से रस इकट्ठा किया गया है उसकी प्रजाति सामान्यतौर पर शहद में 80 फीसदी तक शुगर और 18 फीसदी तक पानी होने के कारण नमी कम रहती है, इसलिए यह खराब नहीं होता।

भारत की ठोस चाल

क्या होता है एंटी डंपिंग शुल्क, जिसे भारत ने चीनी उत्पादों पर लगाया, इससे कितना कुछ बदलेगा?

सस्ते उत्पादों के आयात को रोकने और भारत में बने प्रोडक्ट को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने चीनी सामानों पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया है। क्या होता है एंटी-डंपिंग शुल्क, इससे देश पर क्या असर पड़ेगा और व्यापार के मामले में चीन के साथ 2021 कैसा रहा, जानिए इन सवालों के जवाब...

सस्ते उत्पादों के आयात को रोकने और भारत में बने प्रोडक्ट को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने चीनी सामानों पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया है। चीन से आने वाले 5 उत्पादों पर यह शुल्क पांच साल के लिए लगाया गया है। इनमें एल्यूमीनियम के कुछ फ्लैट रोल्ड उत्पाद, सोडियम हाइड्रोसल्फाइट, सिलिकान सीलेंट, हाइड्रोफ्लोरोकार्बन कंपोनेंट आर-32 और हाइड्रोफ्लोरोकार्बन मिश्रण शामिल हैं।

क्या होता है एंटी-डंपिंग शुल्क?

आसान भाषा में समझें तो घरेलू बाजार को सस्ते विदेशी प्रोडक्ट से बचाने के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया जाता है। जब कोई देश किसी उत्पाद को उसकी कीमत से भी कम कीमत पर निर्यात करता है तो उसे डंपिंग कहते हैं। इस डंपिंग से जिस देश में निर्यात किया जा रहा है, वहां बनने वाले प्रोडक्ट्स की कीमत पर असर पड़ता है। वहां की कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होता है।

इसे चीन के ही एक उदाहरण से समझ सकते हैं। जैसे- अगर चीन में किसी उत्पाद की कीमत 100 रुपये है और वह उसे 70 या 80 रुपये में किसी दूसरे देश को निर्यात करता है तो आयात करने वाले देश की सरकार चीन पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगा सकती है। इससे आयात करने वाले देश की उन कंपनियों को नुकसान नहीं होगा जो उसी तरह के प्रोडक्ट को तैयार कर रही हैं। इस तरह डंपिंग पर रोक लग सकेगी।

भारत और चीन के रिश्तों में तल्खी लेकिन व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

2021 में भी भले ही भारत और चीन के रिश्तों में तल्खी रही हो, लेकिन व्यापार के मामले में स्थिति बेहतर रही है। दोनों देशों के बीच व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। एक जनवरी से 30 नवंबर 2021 के बीच दोनों देशों के बीच कुल 8.57 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। यह पिछले साल के मुकाबले 46.4% ज्यादा है। कारोबार के ग्राफ पर नजर डालें तो चीन ने भारत को निर्यात ज्यादा किया है और आयात कम किया है।

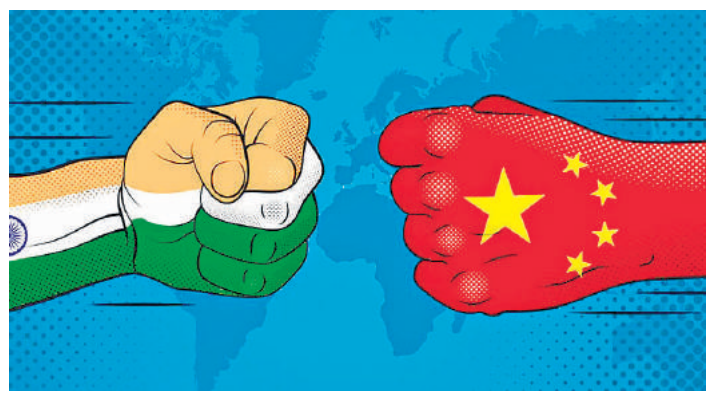

इस साल पिछले 11 महीनों में भारत ने चीन से 6.59 लाख करोड़ रुपये का सामान खरीदा। यह पिछले साल के मुकाबले 49 फीसदी तक ज्यादा रहा। वहीं, भारत ने चीन को 1.98 लाख करोड़ रुपये का सामान निर्यात किया, जो पिछले साल के मुकाबले 38.5 फीसदी तक ज्यादा है, फिर भी भारत घाटे में रहा।

भारत ने चीन को 38।5 फीसदी ज्यादा निर्यात किया, फिर घाटे में क्यों?

देश में बनीं चीजों को निर्यात करने से फायदा होता है। पिछले साल के मुकाबले 2021 में भारत ने चीन को 38।5 फीसदी ज्यादा निर्यात किया तो भी देश को व्यापारिक घाटा क्यों हुआ है। अब इसे भी समझ लीजिए।

जब कोई देश निर्यात के मुकाबले आयात अधकि करता है तो वो देश व्यापारिक घाटे से जूझता है। आसान भाषा में समझें तो उस देश में पैसा आ कम रहा है वहां से जा ज्यादा रहता है, इसे ही आम भाषा में व्यापारिक घाटा कहते हैं। वहीं, बिजनेस की भाषा में ट्रेड डिफिसिट कहते हैं। अगर हम आयात को बढ़ाएंगे और निर्यात को घटाएंगे तो यह घाटा और बढ़ता जाएगा।

भारत के उठाए गए कदम से क्या फायदा होगा?

भारत ने चीन से आ रहे सस्ते उत्पादों पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाकर उसे रोकने की रणनीति अपनाई है। इससे देश में आयात कम होगा और भारत में बनने वाले उत्पादों का इस्तेमाल और निर्यात बढ़ सकेगा। ऐसा होने पर देश की अर्भव्यवस्था को सीधे तौर पर फायदा होगा।

भारत और चीन एक-दूसरे से कौन सी चीजें आयात करते हैं?

भारत चीन से जो चीजें आयात करता है, उनमें इलेक्ट्रॉनिक समान ज्यादा हैं। इनमें इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, टेलीफोन इक्विपमेंट और वीडियो फोन, साउंड रिकॉर्डर, टीवी कैमरा, ट्रांजिस्टर्स व सेमीकंडक्टर, ऑटो कम्पोनेंट्स, फर्टिलाइजर्स और एंटीबायोटिक्स शामिल हैं। वहीं, चीन भारत से लौह अयस्क, पेट्रोलियम ईंधन, कार्बनिक रसायन, रिफाइंड कॉपर, कॉटन यार्न, सी फूड, काली मिर्च, वनस्पति तेल, वसा, ग्रेनाइट ब्लॉक, बिल्डिंग स्टोन और रॉ कॉटन का आयात करता है।

हर इंसान का फिंगरप्रिंट क्यों होता है यूनिक, हाथ जलने या चोट लगने पर क्या ये बदल जाता है?

हाथों का फिंगरप्रिंट इतना पावरफुल होता है कि उसका इस्तेमाल पासवर्ड की तरह किया जाता है। ऑफिसेज में अटेंडेंस के लिए भी फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि अगर हाथ जल जाए, एसिड गिर जाए या कोई घाव हो जाए तो क्या फिंगरप्रिंट बदल जाता है, एक इंसान का फंगिरप्रिंट दूसरे इंसान से क्यों नहीं मैच करता और क्या यह जीवनभर बदलता रहता है, जानिए इन सवालों के जवाब...

फंगिरप्रिंट इतना यूनिक क्यों होता है? एक से दूसरे इंसान का फिंगरप्रिंट कभी मैच क्यों नहीं करता? इस पर वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डेविड एम कॉन्ली कहते हैं, इसके पीछे कई फैक्टर जिम्मेदार होते हैं, जैसे- इंसान के जीन्स, एन्वॉयर्नमेंट आदि। ऐसे कई फैक्टर तय करते हैं कि सबके फिंगरप्रिंट को क्यों अलग-अलग होते हैं।

एक्सपर्ट कहते हैं, जब बच्चा गर्भ में पल रहा होता है तभी से फिंगरप्रिंट तैयार होने की प्रॉसेस शुरू हो जाती है। इंसान की स्किन दो लेयर से मिलकर बनती है, पहली-एपिडर्मिस। दूसरी-डर्मिस। यह दोनों साथ-साथ बढ़ती हैं। इंसान के जीन के मुताबिक, इन्हीं दोनों लेयर से तैयार होने वाली स्किन पर फिंगरप्रिंट के उभार बनने लगते हैं।

विज्ञान कहता है कि उंगलियों में किसी तरह की दिक्कत होने पर फिंगरप्रिंट अगर गायब हो जाता है तो कुछ ही महीने के अंदर यह वापस उसी पोजिशन पर दिखने लगता है। जैसे- अगर किसी का हाथ जल जाए, उस पर एसिड गिर जाए या फिर घाव हो जाए तो करीब एक महीने के अंदर उसी जगह पर प्रिंगरप्रिंट को देखा जा सकता है।

एक सवाल यह भी है कि क्या इंसान की उम्र के साथ उसके फिंगरप्रिंट में बदलाव आता है? विज्ञान कहता है, कम उम्र में फिंगरप्रिंट में एक लचीलापन होता है। लेकिन जैसे-जैसे इंसान की उम्र बढ़ती है, यह लचीलापन खोने लगता है और यह सख्त होता जाता है, लेकिन फिंगरप्रिंट की संरचना में कोई बदलाव नहीं होता।

हिरणों की वजह से पैदा हो सकता है नया कोरोना वेरिएंट, वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

हिरणों की वजह से इंसान संभावित रूप से कोरोनावायरस के एक नए वेरिएंट से संक्रमित हो सकता है। वैज्ञानिकों ने इस बात की चेतावनी दी है। दरअसल, वायरस के कम से कम तीन वेरिएंट्स का जंगली सफेद पूंछ वाले हिरणों में पता चला है। अमेरिका के ओहियो में एक स्टडी की गई है, जिसमें कहा गया है कि जानवर वायरस के लिए एक 'जलाशय' का काम कर सकते हैं और इनसे अधिक खतरनाक वेरिएंट्स सामने आ सकते हैं। दुनियाभर में रह-रहकर सामने आ रहे कोविड के नए वेरिएंट्स ने चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में ओमिक्रॉन वेरिएंट का पता चला, जो तेजी से फैलता है।

ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में स्टडी के वरिष्ठ लेखक प्रोफेसर एंड्रयू बोमन ने कहा, अन्य स्टडी के सबूतों के आधार पर हम जानते हैं कि हिरण जंगल में वायरस का शिकार हो सकते हैं। लैब में हम

हिरणों को संक्रमित कर सकते हैं और इस वजह से हिरणों से हिरणों में वायरस फैल सकता है। उन्होंने कहा, हम मान रहे हैं कि अगर वे जंगल में संक्रमित हो रहे हैं। ऐसे में अगर उनके अंदर वायरस रह जाता है, तो वह इंसानों को SARS-CoV-2 के नए वेरिएंट से संक्रमित कर सकते हैं। हिरणों में मिले तीन वेरिएंट्स का 360 जानवरों से लिए गए सैंपल्स में से एक तिहाई में पता चला है। इनका छह अलग-अलग जगहों पर पता चला।

अगर हिरणों की वजह से एक नया वेरिएंट सामने आता है तो इंसानों की मुसीबत और बढ़ जाएगी, क्योंकि इंसान पहले से ही नए वेरिएंट के सामने आने से परेशान है।

विदेश में बैठे एनआरआई भारत में यूपीआई से भेज सकेंगे पैसे, इंडसइंड बैंक ने शुरू की यह नई सुविधा

यह बैंक देश का पहला बैंक है जिसने एनपीसीआई के साथ मिलकर विदेश में यूपीआई आधारित मनी ट्रांसफर की सर्विस शुरू की है। इसमें थाइलैंड में बैठा कोई एनआरआई DeeMoney के यूपीआई से जुड़कर भारत में सीधे पैसा भेज सकेगा। वह भी रियल टाइम में।

इंडसइंड बैंक ने विदेश में यूपीआई ट्रांजेक्शन की सुविधा शुरू की है। इस तरह का पेमेंट शुरू करने वाला इंडसइंड बैंक पहला बैंक है। विदेश में बैठे कस्टमर भी इंडसइंड बैंक के यूपीआई से पेमेंट कर सकेंगे। इस बैंक ने थाइलैंड के साथ यूपीआई के जरिये फॉरेन इनवार्ड रेमिटेंस की सुविधा शुरू की है। कस्टमर को DeeMoney बेवसाइट पर बेनिफिशियरी को जोड़ना होगा जिसके बाद आसानी से यूपीआई से फंड ट्रांसफर किया जा सकेगा।

इंडसइंड बैंक ने विदेश में यूपीआई से फंड ट्रांसफर करने की सुविधा के लिए एनपीसीआई या नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ करार किया है। इंडसइंड बैंक और एनपीसीआई ने मिलकर यह सर्विस शुरू की है। DeeMoney थाइलैंड का फाइनेंशियल सॉल्यूशन प्रोवाइडर है जो मनी ट्रांसफर और फॉरेन करंसी एक्सचेंज जैसी सर्विस देता है। अभी इंडसइंड बैंक ने थाइलैंड के डीमनी के साथ करार किया है और आगे चलकर अन्य देशों के सर्विस प्रोवाइडर के साथ भी यूपीआई से मनी ट्रांसफर की योजना बनाई जा रही है।

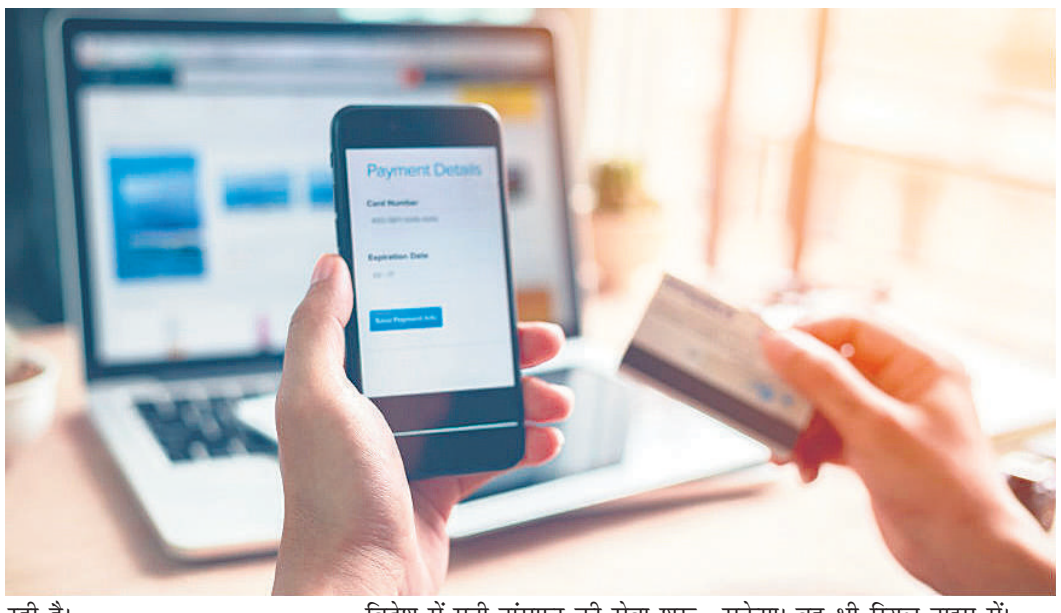

ग्राहकों को मिलेगी चौबीसों घंटे सेवा : इंडसइंड बैंक के कंज्यूमर बैंकिंग और मार्केटिंग के हेड सौमित्र सेन ने इस नई सुविधा के बारे में बताते हुए कहा कि कस्टमर को निर्बाध बैंकिंग की सुविधा दी जा सके, इसके लिए यूपीआई आधारित विदेश में मनी ट्रांसफर की सेवा शुरू की गई है। यह बैंक देश का पहला बैंक है जिसने एनपीसीआई के साथ मिलकर विदेश में यूपीआई आधारित मनी ट्रांसफर की सर्विस शुरू की है। इसमें थाइलैंड में बैठा कोई एनआरआई DeeMoney के यूपीआई से जुड़कर भारत में सीधे पैसा भेज सकेगा। वह भी रियल टाइम में।

बैंक अकाउंट नंबर की जरूरत नहीं : भारत के लोग जैसे यूपीआई में सिर्फ यूपीआई आईडी के जरिये कहीं से किसी को पैसा भेज देते हैं और इसमें बैंक खाते और पासवर्ड की जरूरत नहीं होती, वैसे ही विदेश से भी मनी ट्रांसफर हो सकेगा। भेजने वाले व्यक्ति को केवल अपना यूपीआई पिन दर्ज करना होगा। एनआरआई की बहुतायत संख्या को देखते हुए यूपीआई से फॉरेन रेमिटेंस शूरू होना बड़ा कदम माना जा रहा है क्योंकि इससे भारत में पैसे आने में देर नहीं लगेगी। सबसे बड़ी बात कि इस तरह के हर ट्रांजेक्शन की जानकारी सरकार को रहेगी।

एनआरआई, पीआईओ को फायदा

इस सर्विस का बड़ा फायदा भारत से बाहर रहने वाले एनआरआई और पीआईओ को होने वाला है जो यूपीआई के सहारे आसानी से एनआरई और एनआरओ खाते में पैसे भेज सकेंगे। साथ ही, यूपीआई से भारत में अपने परिजनों या दोस्त-नातेदारों को भी मनी ट्रांसफर कर सकेंगे। इससे पैसा भेजना सुरक्षित और तेज होगा। कोई कागजी कार्यवाही की जरूरत नहीं होगी। भारत में पैसे भेजने के लिए बेनिफिशियरी का खाता संख्या, आईएफएससी याद रखने या दर्ज करने की जरूरत नहीं होगी। पैसे भेजने के लिए बैंक की ब्रांच में भी नहीं जाना होगा। एनआरआई को लंबा-चौड़ा फॉर्म भरने की भी आवश्यकता नहीं होगी।

एपीजे स्कूल में एप्रिसिएशन डे : हिंदी नाटक 'मंथन' द्वारा अंतर्मन को टटोलने का दिया संदेश

प्राइमरी के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, दुर्गा स्तुति, शिव तांडव तथा कृष्ण रासलीला प्रस्तुत की

जालंधर. एपीजे स्कूल महावीर मार्ग में एप्रिसिएशन डे मंथन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि कर्णेश शर्मा (आईएएस कमिश्नर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन) जालंधर तथा गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. रिचा अग्निहोत्री थे (पीपीएस असिस्टेंट इंस्पेक्टर जनरल, क्राईम) अमृतसर थे। वह इस कार्यक्रम में ऑनलाइन उपस्थित हुए। वह एपीजे विद्यालय की पूर्व छात्रा भी हैं। स्कूल पहुंचने पर उनका स्वागत एन.सी.सी कैडेट, गर्ल गाइड और बैंड समूह के छात्रों ने गार्ड ऑफ ऑनर से किया। सभागार पहुंचने पर मुख्य अतिथि तथा गेस्ट ऑफ ऑनर को स्कूल के हेड बॉय और हेड गर्ल ने बैम्बूशूट प्रदान किए। सांस्कृतिक कार्यक्रम "मंथन" का प्रारंभ मुख्य अतिथि कर्णेश शर्मा, प्रिंसिपल गिरीश कुमार तथा वाइस प्रिंसिपल वी. के. खन्ना ने दीपक प्रज्वलित

करके किया। कार्यक्रम का आरंभ अराधना से हुआ जिसमें प्राइमरी के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, दुर्गा स्तुति, शिव तांडव तथा कृष्ण रासलीला प्रस्तुत की तथा दर्शाया कि ईश्वर एक है, उसकी आराधना सच्चे मन से की जाए तो वह सदैव प्रसन्न हो जाते हैं। स्कूल प्रिंसिपल गिरीश कुमार ने स्कूल की वर्षभर की उपलब्धियों को बताते हुए वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी। उगे हम धारा में, नई रोशनी दे गीत के साथ सत्र (2020 के मेधावी छात्रों, खिलाड़ियों, सह पाठयक्रम गतिविधियों में अग्रणी रहे 210 छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान 21) किए गए। मुख्य अतिथि कर्णेश शर्मा ने सभागार में उपस्थित सभी लोगों को संबोधित किया। उसके पश्चात विद्यालय के प्रिंसिपल गिरीश कुमार ने उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका धन्यवाद किया। संगीत विभाग के छात्रों द्वारा मेला आ पल दो पल-चल मेले नू चलिए प्रस्तुत किया गया जिसमें सूफी, राजस्थानी और पंजाबी संगीत का मिश्रण था जिसे सुनकर दर्शक आनंदित हो उठे।

एपीजे संस्थापक डॉ सत्यपाल, वर्तमान अध्यक्षा (एपीजे एजुकेशन) सुषमा पॉल बर्लिया के जीवन की यात्रा द जर्नी ऑफ लीडर पर एक लघु फिल्म दर्शकों को दिखाई गई। गेस्ट ऑफ ऑनर डॉक्टर रिचा अग्निहोत्री जी जो कि ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल हुए, ने विद्यार्थियों की सफलतातथा भविष्य में भी उन्नति को प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दी। उन्हें स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया गया।

अंग्रेजी नाटक थ्रू द लुकिंग ग्लास के द्वारा दर्शाया गया कि ईश्वर ने हमें जो भूमिका प्रदान की गई है वहीं सर्वश्रेष्ठ है। हिंदी नाटक मंथन' द्वारा बताया गया कि हम बाहर की तो बहुत यात्राएं कर चुके हैं, अब हमें अंतर्मन को टटोलना होगा। कि जो सही है उसी का साथ देना चाहिए। मेकिंग ऑफ मंथन के द्वारा बताया गया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में किस प्रकार सभी ने जी-तोड़ मेहनत की है। विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल वी के खन्ना द्वारा 'धन्यवाद प्रस्ताव' दिया गया। उन्होंने उपस्थित विशिष्ट अतिथियों और अभिभावकों को धन्यवाद दिया गया।

आबकारी विभाग की पंजाब पुलिस के साथ साझी कार्यवाही

25000 लीटर अवैध एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल ज़ब्त

चंडीगढ़/एसएएस नगर. आबकारी विभाग पंजाब और ज़िला पुलिस मोहाली की साझी कार्यवाही के दौरान ज़िला मोहाली में ई.एन.ए. (एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल) की राज्य में तस्करी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया गया।

ज्वाइंट एक्साईज़ कमिश्नर, पंजाब नरेश दुबे ने बताया कि 28/29 दिसंबर, 2021 के बीच की रात को पंजाब, हरियाणा अंतरराज्यीय सरहद के नज़दीक लालडू में तैनात मोहाली आबकारी विभाग की टीमों ने एक टैंकर नंबर के.ए.02ए. बी.9232 को रोका, जो 25000 लीटर ई.एन.ए. लेकर जा रहा था। चालक और उसके साथी ने

इस खेप सम्बन्धी कुछ दस्तावेज़ पेश किए। इन दस्तावेज़ों की सत्यापन के लिए तुरंत पर्मिट और खेप के पास जारी करने वाले अधिकारियों से संपर्क किया गया। यह पाया गया कि यह दस्तावेज़ नकली हैं और यह अधिकारियों को धोखा देने के लिए बनाए गए थे। यह ग़ैर-कानूनी खेप चण्डीगढ़ के एक जाने-माने बोटलिंग प्लांट को स्पलाई किए जाने थे। यह खेप भाव ई.एन.ए छत्तीसगढ़ से लादी की गई है। ज्वाइंट एक्साईज कमिश्नर श्री नरेश दुबे ने बताया कि 25000 लीटर ई.एन.ए. की इस खेप से लगभग देसी शराब की 1,10,000 बोतलें बन सकती हैं। मुलज़िमों के ख़िलाफ़ एफ.आई.आर नं. 253 तारीख़ 29-12-21 को धारा 61-1-14,78(2), 420, बी के अंतर्गत थाना लालडू ज़िला एस.ए.एस. नगर में मामला दर्ज कर लिया गया है।

अगली सरकार बीजेपी ही बनाएगी : शाजिया इलमी

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा मीडिया विभाग के सभी पदाधिकरियों की हुई बैठक

जालंधर. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इलमी ने कहा कि विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए तथा उसकी तैयारी को लेकर भाजपा कार्यकर्ता चुनाव मैदान में उतर कर अपने-अपने कार्य में लगा हुआ है। शाजिया ने भाजपा प्रदेश चुनाव कार्यालय (जालंधर) में पार्टी के प्रदेश मीडिया विभाग के पदाधिकारियों की बैठक करके चुनाव में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने दावा किया कि पंजाब में अगली सरकार भारतीय जनता पार्टी की ही बनेगी। केन्द्रीय भाजपा नेतृत्व द्वारा पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए लगाए गए मीडिया प्रभारी शाजिया

इलमी, राष्ट्रीय प्रवक्ता शिवम छाबड़ा और राजस्थान पूर्व मीडिया इंचार्ज विमल कटियार अपने पंजाब फेरी के दौरान जालंधर पहुँचे। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा महासचिव डॉ. सुभाष शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता अनिल सरीन, प्रदेश मीडिया प्रकोष्ठ की संयोजक जैसमीन संधेवालिया, प्रदेश प्रेस सह-सचिव सुनील सिंगला के अतिरिक्त प्रदेश प्रवक्ता व पैनालिस्ट के साथ प्रदेश मीडिया प्रकोष्ठ के सह-संयोजक आदि भी उपस्थित थे।

शाजिया ने कहा कि सभी विपक्षी दलों के लिए यह दीवार पर लिखे हुए की तरह स्पष्ट हो चुका है कि इस बार पंजाब का मतदाता प्रदेश की शांति, समृद्धि और आर्थिक सुधार के लिए भारतीय जनता पार्टी को मतदान करेगा।

मोदी की फिरोजपुर रैली के लिए जीवन गुप्ता को प्रभारी नियुक्त किया

चंडीगढ़. विश्व के लोकप्रिय व देश की जनता के चहेते प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी की 5 जनवरी को फिरोजपुर में होने वाली

विशाल रैली के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा द्वारा प्रदेश भाजपा महासचिव जीवन गुप्ता को रैली का प्रभारी नियुक्त किया है। मोदी की इस रैली की देखरेख तथा व्यवस्था के लिए जीवन गुप्ता ने पूरी ताकत झोंक दी है। गुप्ता रैली से संबंधित कार्यों की देखरेख, पंडाल की व्यवस्था, इस रैली से जुड़े प्रशासनिक कार्यों के लिए आज फिरोजपुर पहुँच कर जुट गए हैं। जीवन गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की रैली को कामयाब करने के लिए पंजाब के सभी जिलों में पदाधिकारियों से संपर्क कर उनकी प्रबन्धक जिम्मेवारियां लगा दी गई हैं।

कैबिनेट मंत्री गुरकीरत सिंह ने रखा रेलवे ओवर ब्रिज का शिलान्यास

खन्ना. लोगों की सुविधा को देखते हुए मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और लोक निर्माण मंत्री विजय इंदर सिंगला के कुशल मार्गदर्शन में कैबिनेट मंत्री गुरकीरत सिंह ने आज फोकल प्वाइंट खन्ना में एक रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन किया। परियोजना का उद्घाटन स्तर क्रासिंग नंबर सी-164 पर किया गया। अंबाला-लुधियाना सेक्शन (खंड) की अनुमानित लागत 36.95 करोड़ रुपये है। यह आरओबी उद्योगपतियों और बड़ी संख्या में फोकल प्वाइंट में काम करने वाले लोगों के लिए वरदान साबित होगा।

इस मौके पर एसडीओ निरपाल सिंह, ईओ चरणजीत सिंह, अध्यक्ष एमसी कमलजीत सिंह, पूर्व अध्यक्ष विकास मेहता, जिला युवा अध्यक्ष अमित तिवाड़ी, फोकल पॉइंट इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तजिंदर शर्मा, डॉ. गुरमुख सिंह चाहल, अविनाश सिंगला, अश्वनी सिंगला, अनिल गुप्ता, तरसेम सिंगला, हरीश बांसल, रणबीर खन्ना, परमिंदर चीमा, सतीश लाम्बा, नरेश सिंगी, धर्मपाल गुप्ता, समरीश विज और सुधीर जोशी शामिल रहे।

'नशा पीडितों के दिल और दिमाग़ को स्थिर रखने के लिए योग अहम'

कपूरथला. नशा पीडित मरीज़ के दिल और दिमाग़ को स्थिर रखने के लिए इलाज के साथ-साथ योग भी ज़रूरी है। यह बात डीसी कपूरथला दीप्ति उप्पल ने स्वास्थ्य विभाग कपूरथला के नशा छुड़ाने के केंद्र में नशा पीडितों के लिए चल रहे 5 दिवसीय योग कैंप के सम्बन्ध में बोले। उन्होंने आज सिविल अस्पताल कपूरथला में चल रहे नशा छुड़वाने के केंद्र का दौरा किया गया और नशा पीडितों को मिल रही सेहत सुविधाओं की जानकारी ली गई। डिप्टी कमिशनर दीप्ति उप्पल ने योग को नशा पीडितों के इलाज के लिए लाभदायक थैरेपी बताया और कहा कि नवकिरन केंद्र में इलाज करवा रही महिलाओं के लिए भी योग क्लासें जल्द ही शुरू की जाएंगी। इस मौके पर ज़िला सेहत अधिकारी डा.कुलजीत सिंह, ज़िला परिवार भलाई अधिकारी डा. अशोक कुमार, सीनियर मैडीकल अधिकारी डा.सन्दीप धवन,डा. शायनी. काउंसलर शमिन्दर ढिल्लों, सुपरीडैंट राम अवतार, डिप्टी मास मीडिया अधिकारी शरनदीप सिंह, और अन्य उपस्थित थे।

'वरिष्ठ नागरिक स्वस्थ रहने के लिए करें ओपन जिम का इस्तेमाल'

लुधियाना. लुधियाना सेंट्रल विधायक सुरिंदर कुमार डावर ने आज वार्ड नंबर 53 में एक और ओपन जिम का उद्घाटन किया। वार्ड के निवासियों विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों ने अपने विधायक को उनके घरों के आसपास जिम की स्थापना के लिए धन्यवाद दिया। उद्घाटन समारोह के तुरंत बाद कई बुजुर्गों ने नई मशीनों पर प्रफुल्लित होकर व्यायाम भी शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि श्री डावर द्वारा स्थापित किए जा रहे ओपन जिम वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाने और उन्हें एक नया जीवन प्रदान करने में मदद करेंगे। इस जिममें अच्छी गुणवत्ता वाली हल्की व्यायाम मशीनें हैं, जिनका उपयोग हम वृद्धावस्था में भी कर सकते हैं।

इस मौके पर पार्षद पिंकी बांसल और गुरमुख सिंह बांसल, राजकुमार पप्पी, चनप्रीत नीतू, संतोख भाटिया, जोगेंद्र पाल मल्होत्रा, नरेंद्र महेंद्रू, दीपक डंग, परवीन, प्रिंस हीर, सतीश खन्ना, राजेश सिंगला, योगेश महाजन, मनु खन्ना और राजू आहूजा इस अवसर पर उपस्थित रहे।

ज़िला प्रशासन जालंधर मतदान करवाने को पूरी तरह तैयार : डीसी

जालंधर. ज़िला प्रशासन जालंधर आगामी विधानसभा मतदान के लिए पूरी तरह तैयार है जिससे सभी 9 विधान सभा हलकों से सम्बन्धित 16.50 लाख से अधिक वोटरों को शांतमयी माहौल में

अपने वोट के अधिकार का प्रयोग करने की सुविधा दी जा सके। डीसी-कम-ज़िला चुनाव अधिकारी घनश्याम थोरी ने बताया कि ज़िला प्रशासन की तरफ से जिले में आज़ाद, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान करवाने के लिए चुनाव प्रबंध पहले ही पूर्ण कर लिए गए हैं। जिले में अब तक कुल 16,50,755 वोटर हैं, जो मतदान में अपने वोट के अधिकार का प्रयोग करेंगे। जिले ने समूह वोटरों की फोटो 100 प्रतिशत शामिल करके सभी वोटरों की फोटो वोटर सूची तैयार करने का लक्ष्य प्राप्त किया है।

15-18 वर्ष आयु वर्ग का टीकाकरण 3 और बूस्टर खुराक 10 जनवरी से

कोविड-19 महामारी कारण पैदा हुई चुनौतियों के मद्देनज़र डीसी घनश्याम थोरी ने स्वास्थ्य टीमों को टीकाकरण में तेज़ी लाने के निर्देश देते हुए जिले भर में रोज़ाना 6000 ख़ुराक प्रदान करने को यकीनी बनाने के लिए कहा, जिससे वायरस को और फैलने से प्रभावशाली ढंग के साथ रोका जा सके। स्वास्थ्य विभाग के ज़िला स्तरीय आधिकारियों और सीनियर मैडीकल अधिकारियों के साथ चल रहे टीकाकरण की स्थिति का जायज़ा लेते हुए डीसी ने उनको 15 से 18 साल आयु वर्ग के लाभपात्रियों के लिए 3 जनवरी से शुरू की जाने वाली टीकाकरण अभियान के लिए ज़रुरी प्रबंध यकीनी बनाने के निर्देश दिए। सरकार के आदेशों अनुसार टीमें 10 जनवरी से बूस्टर डोज़ देना शुरू कर देंगी और इस समय सभी साईटों पर दी जा रही ख़ुराक को दोगुना किया जाये।

चौथे दिन का खेल खत्म, भारत को 6 विकेट की जरूरत

भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले टेस्ट में आमने-सामने हैं। भारत ने 305 रन का लक्ष्य दिया।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट के चौथे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत ने बुधवार को 305 रन का लक्ष्य दिया, जिसका पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में स्टंप्स तक चार विकेट के नुकसान पर 94 रन जोड़े। कप्तान डीन एल्गर 52 रन बनाकर नाबाद रहे। कीगन पीटरसन 17, रस्सी वैन डेर ड्यूसेन 11, केशव महाराज 8 और एडेन मार्कराम 1 रन बनाया। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने दो, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज ने एक-एक विकेट लिया। बता दें कि सेंचुरियन में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकार्ड इंग्लैंड के नाम पर है जिसने 2000-01 में चौथी पारी में 251 रन बनाकर जीत दर्ज की थी।

भारत की दूसरी पारी बुधवार को 50.3 ओवर में 174 रन पर सिमटी थी। भारत ने पहली पारी में 327 रन बनाए थे और दक्षिण अफ्रीका को 197 रन पर ढेर कर 130 रन की बढ़त हासिल की थी। भारत ने चौथे दिन खेल की शुरुआत एक विकेट पर 16 रन से आगे की थी और टीम ने 9 विकेट गंवाकर 158 रन जुटाए। भारत के लिए दूसरी पारी में ऋषभ पंत (34) ने सबसे ज्यादा रन बनाए। केएल राहुल (23), अजिंक्य रहाणे (20), विराट कोहली (18), चेतेश्वर पुजारा (16), रविचंद्रन अश्विन (14), शार्दुल ठाकुर (10), जसप्रीत बुमराह (नाबाद 7), केएल राहुल (4), मोहम्मद सिराज (0) और मोहम्मद शमी ने एक रन का योगदान दिया। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के लिए दूसरी पारी में कगिसो रबाडा और मार्को जेसने ने 4-4 विकेट झटके। लुंगी एनगिडी को 2 विकेट मिले। गौरतलब है कि मंगलवार को दिन की 272/3 से शुरुआत करते हुए भारत की पहली पारी 327 रन पर सिमट गई थी, जिसमें राहुल (123) सर्वाधिक रन बनाए। भारतीय बल्लेबाजों ने 55 रन जोड़कर सात विकेट खो दिए थे। लुंगी एनगिडी (71 रन देकर छह विकेट) और कगिसो रबाडा ने (72 रन देकर तीन विकेट) शानदार गेंदबाजी की। हालांकि, दक्षिण अफ्रीकी टीम जब बल्लेबाजी के लिए उतरी तो भारतीय गेंदबाजों का डटकर मुकाबला नहीं कर सकी। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 197 रन पर ढेर हो गई और भारतीय टीम 130 रन की मजबूत बढ़त हासिल करने में कामयाब रही। भारत के लिए मोहम्मद शमी ने कातिलाना गेंदबाजी की। उन्होंने 44 रन देकर पांच विकेट झटकाए। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर 2-2 जबकि मोहम्मद सिराज ने एक विकेट लिया।

भारत-दक्षिण अफ्रीका की प्लेइंग इलेवन

भारत: विराट कोहली (कप्तान), केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

दक्षिण अफ्रीका: डीन एल्गर (कप्तान), एडेन मार्कराम, कीगन पीटरसन, रस्सी वैन डेर ड्यूसेन, तेम्ब बावुमा, क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), वियान मुल्डर, मार्को जेनसेन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी।

मोदी की रैली में दंगे की साजिश का प्लान डिकोड, 5 गिरफ्तार

लखनऊ. कानपुर में प्रधानमंत्री मोदी की रैली के दौरान एक साजिश का खुलासा हुआ। इस साजिश में समाजवादी पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के वीडियो फुटेज के आधार पर इस साजिश का पर्दाफाश किया। कानपुर में सपा कार्यकर्ताओं ने अपनी ही कार में तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने 5 सपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। समाजवादी पार्टी ने गिरफ्तार कार्यकर्ताओं को निष्कासित कर दिया।

मोदी की कानपुर में रैली थी। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। जिसमें बीजेपी का झंडा लगी एक कार पर समाजवादी पार्टी के कुछ नेता और कार्यकर्ता पथराव कर रहे थे। इन लोगों ने पीएम का पुतला भी फूंका और लोगों को भड़काने की साजिश रची। पुलिस की जांच में ये खुलासा हुआ है कि समाजवादी पार्टी के नेताओं ने नौबस्ता इलाके में अपनी कार पर ही बीजेपी

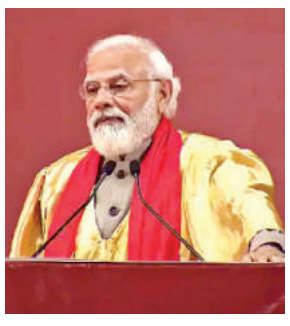

का झंडा लगाकर तोड़फोड़ और आगजनी की और पीएम की रैली से पहले तोड़फोड़ और आगजनी का वीडियो वायरल किया। ऐसा करके वो बुंदेलखंड से आ रहे बीजेपी कार्यकर्ताओं को भड़काना चाहते थे। ताकी हिंसा हो जाए। लेकिन पुलिस की सक्रियता से ये साजिश सफल नहीं हो सकी। पुलिस ने इस मामले में 5 लोगों सचिन केसरवानी, अंकुर पटेल, अंकेश यादव, सुकांत शर्मा और सुशील राजपूत पार्टी को गिरफ्तार किया है। इतना ही नहीं कार यूपी 85 एके 6774 के मालिक अंकुर पटेल को भी गिरफ्तार किया गया है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.